ADDITIONAL®
PRACTICE

हिंदी 2

सारंगी

उत्तर पुस्तिका

Harbour Press®
INTERNATIONAL

पाठ 01 नीमा की दादी

1. (क) (i) नीमा से
   (ख) (i) सब्ज़ी काटना
   (ग) (ii) मैदान
2. (ख) नीमा दोपहर में दो बजे स्कूल से लौटती है।
   (घ) दादी के घुटने में दर्द रहता है।
   (ग) दादी आप भी मेरे साथ खेलने चलिए।
   (क) नीमा और दादी मैदान की ओर चल पड़े।
3. (क) ✗ (ख) ✓
   (ग) ✗ (घ) ✓
4. (क) दादी (ख) खेलने
   (ग) समय (घ) स्कूल
5. (क) क्योकि, वह घर पर अकेले होती है।
   (ख) नीमा के खेलने जाने पर दादी ने उसे थोड़ी देर अपने पास बैठने को कहा।
   (ग) नीना दौड़कर दादी की चप्पलें ले आई और बोली, "दादी आप भी मेरे साथ खेलने चलिए।
   (घ) नीमा की दादी घर पर बैठे- बैठे कभी सब्ज़ी काट रही होती है तो कभी अपने घुटनो में तेंल मल रही है।

आओ, कुछ नया सीखें

6. सिमटकर सुनकर
   खेलकर भागकर
7. (क) लौटती (ख) मैदान
   (ग) दौड़कर (घ) खूब

आओ, कुछ नया करें

8. 'न' से शुरू होने वाले शब्द
   नहीं
   नदी
   नाव
   'द' से शुरू होने वाले शब्द
   दादा
   दवात
   देव
9. विद्यार्थी स्वयं करें।
10. साँप
    ऊँट
    बाँसुरी

पाठ 02 घर

1. (क) (i) प्यारा-प्यारा
   (ख) (ii) पापा से
   (ग) (iii) ममतावाला
2. (क) **पापा**, क्यों अच्छा लगता है, अपना प्यारा-प्यारा घर?
   घूम-घाम लें, खेल-खाल लें, नहीं भूलता **लेकिन घर।**
   (ख) **थककर** जब वापस आते हैं, कैसे बिछ-बिछ जाता घर खिला-पिला आराम दिलाकर नई ताज़गी **देता घर।**

3. (क) ✗ (ख) ✓
(ग) ✓ (घ) ✗

4. (क) ममतावाला (ख) भूलता
(ग) ताज़गी (घ) प्यारा

5. (क) क्योकि, घर मे हमारा परिवार साथ-साथ रहता है।
(ख) जब थककर वापस आते है तो साफ-सुथरा और खाना खिलाकर हमें आराम दिलाकर ताज़गी से भर देता है।
(ग) बच्चें ने पापा से घर के बारे मे बताया कि घर प्यारा होता है, हम घर को नहीं भूलते, यह ममतावाला होता है, और हमें ताज़गी देता है।
(घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

आओ, कुछ नया सीखें

6. सब्ज़ीवाला पानवाला
दुकानवाला दूधवाला

7. (क) मेरा घर बहुत सुंदर है।
(ख) हमें अपना घर बहुत प्यारा लगता है।
(ग) बच्चों को खेलना पसंद है।
(घ) माँ की गोदी जैसा घर में महसूस होता है।

8. विद्यार्थी स्वयं करें।

9. 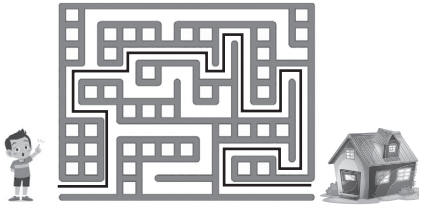

पाठ 03 माला की चाँदी की पायल

1. (क) (iii) माला को
(ख) (i) धप्प!
(ग) (ii) छिक-छिक-छम

2. (ख) माला बिल्ली को डराती।
(ङ) भऊऊ! वह डाकिए को डराती।
(घ) माँ ने उसे एक छोटी-सी डिब्बी दी।
(ग) नीले कागज़ में लिपटी प्यारी-सी चाँदी की पायल!
(क) अब माला किसी को डरा नहीं पाती।

3. (क) ✓ (ख) ✓
(ग) ✗ (घ) ✓

4. (क) बिल्ली (iii) हुश्श्श्
(ख) नानी (iv) हेएए
(ग) छोटा भाई (ii) धप्प
(घ) डाकिए (i) भऊऊ

5. (क) क्योंकि उसे ऐसा करने मे मजा आता था।
(ख) क्योंकि अब माला किसी को डरा नही पाती थी।
(ग) माँ ने माला को चाँदी की पायल इसलिए दी होगी ताकि वह किसी को डरा न पाए।
(घ) माला बिल्ली, अपनी नानी, अपने छोटे भाई और डाकिए को डराती थी।

आओ, कुछ नया सीखें

6. हारना — हँसना
   भागना — लटकना

7. (क) माला की भऊऊ! से पहले डाकिया निकल गया।
   (ख) माला, यह तुम्हारे लिए है।
   (ग) छोटे-छोटे घुँघरू झनकते।

आओ, कुछ नया करें

8. हुश्श्श्!, हेएए!, धप्पा!, भऊऊ!, छिक-छिक-छम।

9.

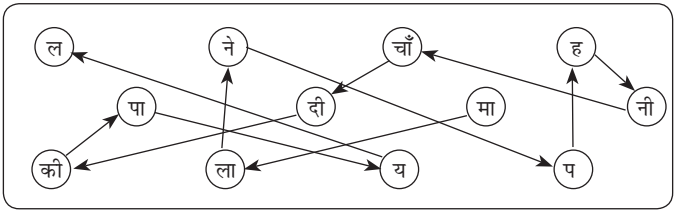

पाठ 04 माँ

1. (क) (iii) माँ
   (ख) (i) सच्ची मिसरी
   (ग) (iii) अंधकार

2. (क) **माँ** तुम कितनी भोली-भाली, कितनी प्यारी-प्यारी हो दिल से सच्ची मिसरी जैसी सारे जग से **न्यारी हो**।
   (ख) **मेरे मन** में जोश तुम्ही से, तुमसे ही प्रकाश मुझमें साहस तुमसे आता, तुमसे ही **विश्वास।**

3. (क) ✓ (ख) ✓
   (ग) ✓ (घ) ✓

4. (क) ममतावाला (ख) भूलता
   (ग) ताज़गी (घ) प्यारा

5. (क) कविता में माँ के बारे मे कहा गया है कि वह बहुत भोली-भाली और प्यारी है, दिल से सच्ची मिसरी जैसी है और माँ से ही मन में जोश और प्रकाश होता है।
   (ख) माँ को सारे जग मे न्यारी इसलिए कहा गया है क्योकि माँ भोली भाली और दिल से सच्ची होती है।
   (ग) एक बच्ची अपनी माँ को भोली भाली बोल रही है। क्योकि माँ बहुत भोली होती है।
   (घ) सच्ची मिसरी माँ के दिल को कहा गया है। क्योकि वह बहुत साफ दिल की होती है।

आओ, कुछ नया सीखें

6. जोश – होश
   आता – जाता
   कैसी – जैसी
   दिल – मिल

7. (क) माँ – मेरी माँ मुझे बहुत प्यार करती है।
   (ख) प्रकाश – सूर्य से हमे प्रकाश मिलता है।

(ग) जग –माँ जग की सबसे प्यारी इंसान है।

(घ) मन –माँ का मन शीशे की तरह साफ होता है।

(ङ) साहस –राम ने अपने साहस से श्याम को कुत्ते से बचाया।

आओ, कुछ नया करें

8. विद्यार्थी स्वयं करे।

9. भोली

प्यारी

सच्ची

आ	री	स	ह	री
न्या	च	न	स	थ
स	ठ	मि	भो	सा
च्ची	ह	ज	ली	स
न	प्या	री	फ	सी
वि	खा	सी	ल	ट